(b) Delhi Administration is already seized of the matter and every effort is being made to get them printed in the bilingual form as early as possible.]

दिल्ली प्रशासन के विक्रय-कर विभाग द्वारा हिन्दी में जारी की गई सूचनायें

३२६. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली प्रशासन के विक्रय-कर विभाग ने गत तीन मास में कितनी सूचनाएं जारी कीं ;

(ख) इन में से कितनी सूचनायें (१) हिन्दी में और (२) अंग्रेजी में जारी की गईं ; और

(ग) क्या जनता की सुविधा के लिये ऐसी सूचनायें हिन्दी में जारी करने के लिये कोई निर्णय किया गया है ?

[ISSUE OF NOTICES IN HINDI BY THE SALES TAX DEPARTMENT OF DELHI ADMINISTRATION

326. SHRI NAWAB SINGH CHAU-HAN: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) how many notices were issued by the Sales Tax Department of Delhi Administration during the last three months;

(b) how many of these notices were issued in (i) Hindi and (ii) English; and

(c) whether any decision has been taken to issue such notices in Hindi for the convenience of the people?]

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बी० एन० दातार) : (क) लगभग ७,५०० ।

(ख) ये सब सूचनायें अंग्रेजी में छापी गईं ।

(ग) अभी तक नहीं ।

[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI B. N. DATAR) : (a) 7,500 approximately.

(b) All these notices were printed in English.

(c) Not yet.]

हेवी इलैक्ट्रिकल्स प्लांट, भोपाल

३२७. **श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया** : क्या इस्पात तथा भारी उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भोपाल स्थित हैवी इलेक्ट्रिकल्स प्लांट पर मूलत: कितनी लागत आने का अनुमान था और कितना निर्माण कब कब तक पूरा होना अपेक्षित था ;

(ख) लागत तथा निर्माण के मूल अनुमानों में क्या क्या परिवर्तन किये गये और कब कब किये गये ;

(ग) ३१ मार्च, १९६२ तक कुल कितनी रक़म खर्च की गई थी और उत्पादन की कितनी क्षमता थी तथा उस तारीख को वास्तविक उत्पादन कितना था ;

(घ) खर्च तथा उत्पादन की मूल योजना का पालन न करने के क्या क्या कारण हैं ;

(ङ) उक्त प्लांट का सारा काम कब तक पूरा हो जाने की संभावना है; और

(च) उक्त प्लांट का निर्माण पूरा हो जाने पर उसकी उत्पादन क्षमता कितनी होगी ?

[ ] English translation.

HEAVY ELECTRICALS PLANT, BHOPAL

327. SHRI V. M. CHORDIA: Will the Minister of STEEL AND HEAVY IN-DUSTTRES be pleased to state:

(a) what was the original estimat ed cost of the Heavy Electricals Plant at Bhopal and what work required to be completed by what time;

(b) what changes were made in the original estimates of cost and work and when they were made;

(c) what was the total amount that was spent and what was the capacity of production upto 31st March, 1962 and what was the actual production on that date;

(d) what are the reasons for not adhering to the original plan of expenditure and production;

(e) by when the entire work in respect of the above plant is likely to be completed; and

Of) what will be the production capacity of the said plant after its completion?]

इस्पात तथा भारी उद्योग मंत्री (श्री सी० सुब्रह्मण्यम्) : (क) से (च) एक विवरण संलग्न है ।

विवरण

(क) प्रायोजना प्रतिवेदन के अनुसार हैवी इलेक्ट्रिकल्स प्लांट, भोपाल की मूलत: लागत का अनुमान ३५ करोड़ के लगभग था । यह रिपोर्ट एसोसिएटिड इलेक्ट्रिकल इण्डस्ट्रीस लि०, यू० के०, प्रायोजना के तकनीकी सलाहकार द्वारा १९५६ में प्रस्तुत की गई थी । इस लागत में सक्रिय पूंजी शामिल नहीं है और इस से एक पारी में १२.५ करोड़ रुपये या दो पारियों में २२ करोड़ रुपये का वार्षिक उत्पादन प्राप्त करना था । प्रायोजना प्रतिवेदनमें एक अनुसूची मे विभिन्न कामों के पूरे होने की तारीखें दिखाई गई थीं । अनुसूची के अनुसार स्विचगियर और कुछ अन्य विभागों में उत्पादन का काम १ जुलाई, १९६० को शुरु होना था । वास्तव में फैक्टरी ने इस तारीख को उत्पादन शुरू कर दिया ।

(ख) देश की विदेशी मुद्रा की समस्त कमी तथा सामान्य वित्तीय कठिनाइयों के कारण १९५७ में प्रायोजना को तीन प्रवस्थाओं में बांटने तथा २० करोड़ रुपये की लागत से ६.२५ करोड़ रुपये का अनुमानित वार्षिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए प्रायोजना को प्रथम प्रवस्था को शीघ्र ही क्रियान्वित करने का निश्चय किया गया । १९५८ में दो पारियों से १२.५ करोड़ रुपये प्रतिवर्ष का उत्पादन प्राप्त करने के लिए संपूर्ण फैक्टरी का निर्माण करने का निश्चय किया गया । १९६० में संयंत्र के उत्पादन को २५ करोड़ रुपये प्रति वर्ष तक बढ़ाने का निश्चय किया गया । देशीय आवश्यकताओं को सूट करने के लिए यह आवश्यक था कि प्रस्थापित विस्तरण के साथ साथ प्रत्येक ट्रांसफार्मर युनिट और जल-बरोवर्त के साइज़ को बड़ा किया जाय जिस से तेल क्षेत्र, मशीन-टूल्स और उपकरणों के साइज़ में ऊर्ध्व-संशोधन अनिवार्य हो गया । २५ करोड़ रुपये प्रतिवर्ष के उत्पादन के लिए प्रायोजना का संशोधित प्राक्कलन ४० करोड़ रुपये के लगभग है जिस के आधार पर अब प्रायोजना का निर्माण कार्य चल रहा है । इस प्राक्कलन में बस्ती के विकास की लागत तथा सक्रिय पूंजी की आवश्यकताएं सम्मिलित नहीं हैं । फैक्टरी के सलाहकारों द्वारा तैयार की गई एक अनुपूरक प्राजक्ट रिपोर्ट भी सरकार के विचाराधीन है जिसमें यह बताया गया है कि सिविल निर्माण, मशीन-टूल्स और और उपकरणों में वृद्धि करके ५२ करोड़ रुपये के लगभग वार्षिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए प्लांट का किस तरह विस्तार किया जा सकता है ।

(ग) ३१ मार्च, १९६५ तक फैक्टरी पर कुल लगभग २६ करोड रुपये खर्च

हुए । ३१ मार्च १९६२ तक ३.५ करोड़ रुपये का उत्पादन होने का अनुमान था। इस लक्ष्य के मुकाबले में इस अवधि में हुए। वास्तविक उत्पादन के २ करोड़ रुपये से कुछ अधिक होने की संभावना है ।

(घ) सामान्यतः निर्माण-कार्य अनुसूची के अनुसार हो रहा है । उत्पादन की मूल योजना का पालन न हो सकने के मुख्य कारण हैं (१) प्रथम वर्ष के उत्पादणार्थ यू० के० से घटक तथा कच्चा माल प्राप्त करने में देरी और (२) श्रमिक कष्ट ।

(ङ) २५ करोड़ के उत्पादन कार्यक्रम से सम्बन्धित काम के १९६३-६४ तक पूरा हो जाने तथा तीसरी योजना की समाप्ति से पूर्व संयंत्र के २५ करोड़ रुपये के उत्पादन का निर्धारित लक्ष्य प्राप्त कर लेने की संभावना है । १९६९-७० तक लगभग ५२ करोड़ रुपये का वार्षिक उत्पादन करने के लिए फैक्टरी का विस्तार करने के बारे में सरकार. विचार कर रही है ।

(च) अन्त में हैवी इलेक्ट्रिकल्स प्लांट, भोपाल, बिजली के भारी उपकरण जैसे हाईड्रलिक और थरमल टरबाइंस ट्रांसफ़ार्मर, स्विचगियर और इण्डस्ट्रीयल कन्ट्रोलगियर, जेनरेटर्स और मीटर्स (जिन मे लोको-मोटिवस के लिए ट्रेक्शन मोटर्स भी सम्मिलित हैं) और केपीसीटर्स तैयार करेगा ।

t[THE MINISTER OF STEEL AND HEAVY INDUSTRIES OSHRI C. SUBRAMANIAM): (a) to (f) A statement is attached.

STATEMENT

(a) The original estimated cost of the Heavy Electricals Plant at Bhopal, as envisaged in the Project Report submitted by Associated Electrical Industries Limited, U.K., the Technical Consultants to the Project, in 1956, was about 35 crores, exclusive of working capital, for achieving an annual output of Rs. 12-5 crores in single shift or Rs. 22 crores by working in two full shifts. The project report contained a schedule showing the dates by which different construction works were to be completed. According to the schedule, production work in the Switchgear and certain other Departments was to commence on the 1st July, 1960. The Factory actually started production on this date.

(b) Due to overall shortage of country's foreign exchange resources and general financial stringency, it was decided, in 1957, to divide the project into three phases and to take up the implementation of phase I of the programme for an estimated annual production of Rs. 6'25 crores at a cost of about Rs. 20 crores, immediately. In 1958, it was decided to proceed with the construction of the factory in its entirety 'for an annual output of Rs. 12.5 crores with double shift working; subsequently in 1960, it was decided to expand the output of the plant to Rs. 25 crores per annum. As it was found necessary to, simultaneously, increase the sizes of individual units of transformers and water turbines along with the proposed expansion, to suit indigenous requirements, an upward revision in the floor space and in the sizes of machine tools and equipment was rendered necessary. The revised project estimate for the expanded annual output of Rs. 25 crores is of the order of Rs. 40 crores (approximately) on the basis of which the construction of the project is now proceeding. This estimate does not include the cost of development of township and working capital requirements. Government have also under consideration a supplementary project report prepared by the Consultants of the factory as to how the plant could be expanded for an annual output of about Rs. 52 crores per annum by addition of civil works and installation of machine tools and equipment.

(c) The total expenditure incurred o_n the factory up to 31st March, 1962 is Rs. 26 crores (aproximately). The estimated production to be achieved by

31st March, 1962 was Rs. 3.5 crores. As against this target, the actual production for this period is likely to be just over Rs. 2 crores.

(d) Construction work is progressing generally according to schedule. The fall in production compared to the estimate is mainly attributable to (i) delays in obtaining raw materials and components from U. K. for the first year's production; and (ii) labour troubles.

(e) Work connected with the Rs. 25 crores output programme is likely to be completed by 1963-64; and the capacity of the plant is expected to reach the targetted output of Rs. 25 crores before the end of the Third Plan. The expansion of the factory for an annual output of about Rs. 52 crores to be achieved by 1969-70, is under consideration.

(f) The Heavy Electricals Plant at Bhopal will ultimately produce heavy electrical equipment such as hydraulic and thermal turbines, transformers, switchgear and industrial controlgear, generators and motors (including traction motor$_s$ for electric locomotives) and capacitors.]

चोरी छिपे सामान ले जाते हुए गवर्नमेंट फार्म्स प्रेस, अलीगढ़ के कर्मचारी का पकड़ा जाना

३२८. **श्री नवाबसिंह चौहान** : क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि २० दिसम्बर, १९६१ को गवर्नमेंट फार्म्स प्रेस, अलीगढ़ का एक कर्मचारी विदेशों से चोरी छिपे सामान लाता हुआ पालम हवाई अड्डे पर कस्टम अधिकारियों द्वारा पकड़ा गया था ;

(ख) यदि उपरोक्त भाग (क) का उत्तर 'हां' हो तो उसके पास क्या क्या सामान पाया गया ; और

(ग) क्या उसके घर की भी तलाशी ली गई थी और यदि हां, तो वहां से क्या क्या कागजात बरामद हुए थे उस मामले में इस समय क्या कार्यवाही हो रही है ?

t [EMPLOYEE OF GOVERNMENT FORMSPRESS, ALIGARH CAUGHT FOR SMUGGLINGOF GOODS

328. SHRI NAWAB SINGH CHAU-HAN: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that an employee of the Government Forms Press, Aligarh was caught by the Customs authorities at the Palam Airport on the 20th December, 1961 while smuggling goods from abroad;

(b) if the answer to part (a) above be in the affirmative, what goods were found with him; and

(c) whether his house was also searched, and if so, what decumenta were seized there and what action is being taken in this case at present?]

वित्त मंत्री (श्री मोरारजी आर० देसाई): (क) और (ख) यह ठीक है कि गवर्नमेंट आफ इंडिया प्रेस, अलीगढ़ का एक कर्मचारी २० दिसम्बर, १९६१ को पालम हवाई अड्डे पर उतरा। लेकिन कस्टम वालों को उसके पास कोई निषिद्ध वस्तु नहीं मिली। उस समय उसके पास जो कागजात मिले, उनसे पता चलता था कि उसने विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम (फारेन एक्सचेंज रेगुलेशन ऐक्ट), १९४७ के कुछ उपबन्धों (प्रावीज़न्स) का उल्लंघन किया है। मामला विचाराधीन है।

(ग) यह सच है कि इस मंत्रालय के प्रवर्तन निदेशालय (एनफोर्समेंट) डाइरेक्टरेट) के अफसरों द्वारा अलीगढ़ में इस व्यक्ति के घर की तलाशी ली गयी थी, लेकिन कोई कागज बरामद नहीं हुआ।